www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 न्यायालय में निर्णायक मोड़ लेता श्रीकृष्ण...
3 कांवड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने कछला...
4 स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने सुनीं जनसमस्याएं...

वर्ष: 9 | अंक: 254 | दिल्ली, मंगलवार, 8 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र तट पर संदिग्ध नाव मिलने से हड़कंप

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में रेवदंडा तट के पास एक संदिग्ध नाव, संभवतः एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव देखी जाने के बाद पुलिस और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को अपनी तलाशी और जांच तेज कर दी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात को भारतीय नौसेना के रडार पर नाव को रेवदंडा में कोरलाई तट से करीब दो समुद्री मील दूर देखा गया। अधिकारी ने बताया कि यह संभवतः एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव थी, लेकिन नाव को रोके जाने के बाद इसकी पहचान और अन्य विवरण का पता लगाया जाएगा। एक अधिकारी ने पहले कहा था कि प्रथम दृष्टया ऐसा संदेह है कि नाव बहकर रायगढ़ तट पर आ गई है। नाव के देखे जाने के बाद रायगढ़ में समुद्र तट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्होंने कहा कि अलर्ट के बाद रायगढ़ पुलिस, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस), क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी), नौसेना और तटरक्षक बल के जवान रात में ही मौके पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण रात में नाव तक पहुंचने के प्रयास बाधित हुए। अधिकारी ने कहा कि रायगढ़ की पुलिस अधीक्षक आंचल दलाल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ स्थिति की निगरानी के लिए तट पर पहुंच गई थीं। अधिकारी ने कहा कि दलाल ने खुद एक बजरे का उपयोग करके नाव तक पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा।

कड़ी सुरक्षा के बीच साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज फिर से खुला

कोलकाता (एजेन्सी)। कोलकाता में प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कैंपस में हुए बलात्कार के 11 दिन बाद, साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज सोमवार को फिर से खुल गया। कॉलेज को भारी सुरक्षा के बीच खोला गया, कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे थे। गेट केवल बीए एलएलबी प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए खोले गए थे, जिन्हें अपने परीक्षा फॉर्म जमा करने के लिए बुलाया गया था। निजी सुरक्षा गार्डों ने गहन पहचान-पत्र जांच की और करीब 100 छात्र, जिनमें से कई अपने माता-पिता के साथ थे, परिसर में पहुंचे। कॉलेज ने निर्देश जारी किया कि दोपहर 2 बजे के बाद किसी भी छात्र को परिसर में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी छात्रों के बाहर निकल जाने के बाद ही शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी। पुलिस ने जांच के तहत छात्र संघ कक्ष और सुरक्षा गार्ड के कमरे को सील कर दिया है और फिलहाल वहां जाना प्रतिबंधित है। सामान्य समय सारिणी के अनुसार 8 जुलाई से नियमित कक्षाएं फिर से शुरू होने वाली हैं। कॉलेज के शासी निकाय के सदस्य हरिपद बनिक ने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्द से जल्द परिसर में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हुए मनीष कश्यप

बिहार (एजेन्सी)। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले बिहार के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनीष कश्यप सोमवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ दी थी। मनीष कश्यप किशोर की मौजूदगी में अपने समर्थकों के साथ जन सुराज पार्टी में शामिल हुए। कश्यप, जिनके यूट्यूब अकाउंट पर लगभग एक करोड़ सब्सक्राइबर हैं, कुछ साल पहले पहली बार सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें दक्षिणी राज्य में बिहारी प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार के कथित फर्जी वीडियो पोस्ट करने के लिए तमिलनाडु पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन टिकट नहीं दिया गया। कश्यप ने जून में एक वीडियो संदेश में भाजपा से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी और आरोप लगाया था कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों तक उनका इस्तेमाल किया और उसके बाद उन्हें मझधार में छोड़ दिया। आपको बता दें कि मनीष कश्यप 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पश्चिम चंपारण जिले की चनपटिया सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

हमारे संविधान की प्रस्तावना को उस समय बदला गया जब सैकड़ों और हजारों लोग सलाखों के पीछे थे: उपराष्ट्रपति

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार न्यायाधीशों से निपटने के संवैधानिक तंत्र के साथ आगे बढ़ना एक रास्ता है, लेकिन यह कोई समाधान नहीं है क्योंकि हम एक लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और हम हैं भी।

दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है जहां कानून का शासन होना चाहिए, कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए जिसका अर्थ है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। यदि धन की मात्रा इतनी अधिक है, तो हमें इसका पता लगाना होगा। क्या यह दागी धन है? इस धन का स्रोत क्या है? यह एक न्यायाधीश के आधिकारिक आवास में कैसे जमा किया गया था? यह किसका था? इस प्रक्रिया में कई दंड प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। मुझे उम्मीद है कि एक एफआईआर दर्ज की जाएगी। हमें मामले की जड़ तक जाना चाहिए क्योंकि लोकतंत्र के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हमारी न्यायपालिका जिस पर अटूट विश्वास है, उसकी नींव हिल गई है। इस घटना के कारण गढ़ डगमगा रहा है।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए, शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक जूलियस सीजर के बारे में बताते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि मेरे युवा मित्रो, अगर आपने मार्च की ईद के बारे में सुना है। आप में से जिन्होंने जूलियस सीजर पढ़ा है। जहां ज्योतिषी ने सीजर को चेतावनी दी थी, मार्च के विचारों से सावधान रहें और जब सीजर महल से अदालत कक्ष में जा रहा था, तो उसने ज्योतिषी को देखा और उसने कहा-मार्च की ईद आ गई है। और ज्योतिषी ने कहा, हां, लेकिन गई नहीं है, और दिन खत्म होने से पहले, सीजर की हत्या कर दी गई। मार्च की ईद दुर्भाग्य और कयामत से जुड़ी है। हमारी न्यायपालिका में 14 और 15 मार्च की रात को मार्च की ईद थी, एक भयानक समय! एक न्यायाधीश के निवास पर बड़ी मात्रा में नकदी थी। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह अब सार्वजनिक डोमेन में है, आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रखा गया है कि उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के आधिकारिक निवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिली थी।

अब मुद्दा यह है, अगर नकदी बरामद होती, तो सिस्टम को तुरंत काम करना चाहिए था और पहली प्रक्रिया यह होनी चाहिए थी कि इसे आपराधिक कृत्य के रूप में निपटाया जाए। जो लोग दोषी हैं, उन्हें ढूंढा जाए। उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाए। लेकिन अभी तक कोई एफआईआर नहीं हुई है। केंद्र स्तर पर सरकार अक्षम है क्योंकि 90 के दशक की शुरूआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मद्देनजर एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती है।"

छात्रों को समस्याओं का सामना करने का साहस रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, "हमें समस्याओं का सामना करने का साहस रखना चाहिए। हमें असफलताओं को तर्कसंगत नहीं बनाना चाहिए। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हम एक ऐसे देश से हैं जिसे वैश्विक आख्यान को परिभाषित करना है। हमें एक ऐसे विश्व का निमार्ता बनना है जो शांति और सद्भाव में रहे।

विभागीय समन्वय, निजी क्षेत्र एवं जनसहयोग से बनाएंगे नशामुक्त दिल्ली: रविन्द्र इंद्राज

समाज कल्याण मंत्री ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने सोमवार को मध्य दिल्ली जिले में नशामुक्ति अभियान की प्रगति और रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। श्री इंद्राज ने कहा कि नशामुक्त दिल्ली का सपना तभी साकार होगा जब सभी विभाग, संस्थान और समाज आपसी समन्वय बनाकर इस दिशा में प्रयास करेंगे।

बैठक में डीएम, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं इस क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में समाज कल्याण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मध्य दिल्ली के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए जाएं। स्कूलों, कॉलेजों और शेल्टर होम्स में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने पुलिस, समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पुनर्वास सेवाओं पर जोर देने के लिए कहा ताकि नशे की गिरफ्त से बाहर आने वाले नशे से दूर रहें। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि नशा पीड़ितों की काउंसलिंग, इलाज और पुनर्वास के लिए निजी संगठनों के अनुभव और संसाधनों का भी प्रभावी उपयोग किया जाए। श्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य न केवल नशे से जुड़े मामलों में कमी लाना है, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देना भी है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों से आग्रह किया गया है कि वे परिसर में नशा मुक्ति क्लब बनाएं और ड्रग फ्री कैम्पस घोषित करें।

बैठक के दौरान उपस्थित विभागों और संगठनों ने भी अपने अनुभव साझा किए, समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि विकसित दिल्ली लक्ष्य के लिए सभी की सहभागिता को और मजबूत किया जाएगा और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे: सीएम नायब सिंह सैनी

कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का करवाया जाएगा सौंदर्यकरण

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गावं में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रुपए और कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की और से उन्हें आज पगढ़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे।

प्रदेशवासियों को बाबा लखी शाह वंजारा जयंती की हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लक्खी शाह वंजारा की कुर्बानियां स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई हैं। उन्होंने मुगलों का डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए अभूतपूर्व बलिदान दिया। भारत के इतिहास में सम्भवतः यह पहली घटना थी, जब किसी एक परिवार के 112 से अधिक सदस्यों द्वारा शहादत दी गई। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज है, जिसने न केवल व्यापार और वाणिज्य के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति दी है, बल्कि देश की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुष किसी भी धर्म व जाति के न होकर सभी के होते हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसलिए सरकार संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे समाज के हर वर्ग के गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। इन योजनाओं से वंजारा समाज का भी उत्थान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के अंतिम और वंचित व्यक्ति का उत्थान करने का बीड़ा उठाया है। घुमन्तू जातियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए इनके परिवारों के पहचान पत्र बनाये गये हैं। अब इन्हें सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ परिवार पहचान पत्र के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दशकों से बेघर रही घुमंतू जातियों को एक जगह बसाकर समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। सरकार द्वारा करनाल, पलवल व रोहतक शहरों के लिए आवेदन करने वाले घुमंतू जाति के गरीब परिवारों को प्लाट दिए गए है। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत गरीबों को शहरों में प्लाट देने का काम शुरू किया गया है। इस योजना के पहले चरण में 14 कस्बों और शहरों में भूमि की पहचान कर 15 हजार 256 गरीब परिवारों को आवंटन पत्र सौंप जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 100-100 वर्ग गज प्लाटों का कब्जा न पाने वाले 4 हजार 532 लोगों को अधिकार पत्र एवं 1-1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत अनुसूचित जाति के बी.पी.एल परिवारों को मकानों की मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दे रही हैं।

केजरीवाल ने जन कल्याण के लिए किए गए अनूठे प्रयासों के लिए सीएम की पीठ थपथपाई

संजना भारती संवाददाता

मोहाली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज एक अनूठा कदम उठाते हुए 145.26 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित 15 एम.जी.डी. (मिलियन गैलन प्रति दिन) क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को जनता को समर्पित किया।

प्लांट को समर्पित करने के बाद अपने संबोधन में मुख्य मंत्री ने कहा कि इस प्लांट को स्थापित करने में उपयोग की गई आधुनिक तकनीक को जल्द ही प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य प्रदेश के बहुमूल्य जल को बचाना है, ताकि प्लांट से शुद्ध किए गए पानी को अन्य कार्यों के लिए उपयोग किया जा सके। सिंगापुर का उदाहरण देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि वहां वर्षा जल को पीने योग्य बनाने के लिए माइक्रो फिल्टर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अगली पीढ़ियों के लिए पंजाब के जल को बचाने के लिए ऐसे प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जल, हवा और जमीन के लिए वोट न होने के कारण पारंपरिक पार्टियों ने इसकी अनदेखी की और प्रदेश के इन गंभीर मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कारण प्रदूषण बढ़ा और प्राकृतिक संसाधन दूषित हो गए, जिससे समाज को अपूरणीय क्षति हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'आप' सरकार बनने के बाद पर्यावरण को बचाने, नहरी प्रणाली को पुनर्जनन करने और समाज की भलाई के लिए अन्य अनुकरणीय कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ियों के लिए जल को बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ तकनीक के साथ समाधान सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'इलाज से बेहतर है परहेज' के कथन की तरह बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं। गुरबाणी की रचना 'पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत' का उल्लेख करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि महान गुरु साहिब जी ने हवा को गुरु, पानी को पिता और धरती को माता का दर्जा दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें प्रदेश के पर्यावरण को बचाने का संकल्प लेकर गुरबाणी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और प्रदेश की पुरातन शान को बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर राज्य सरकार का समर्थन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की दूरदर्शी सोच का लाभ उठा रही है, जिन्होंने पहले ही राष्ट्रीय राजधानी में अच्छा शासन देकर अपनी क्षमता सिद्ध की है।

एग्रो फारैस्टरी संकल्प को बढ़ावा देने की जरूरत: लाल चंद कटारूचक्क

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के वन और वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा साल 2025- 26 के लिए अनूठी पहलें बनाईं जा रही हैं। इनमें प्रमुख तौर पर हाईवे (राजमार्गों) के साथ-साथ विशेषतः संगरूर, जालंधर से अमृतसर सड़क, पठानकोट से अमृतसर, श्री आनन्दपुर साहिब और फगवाड़ा-चंडीगढ़ सड़क पर खटकड़ कलाँ में फूलदार पौधे लगाने के पायलट प्रोजैक्ट की संभावना को तलाशना शामिल है।

इसी के साथ ही प्रसिद्ध पंजाबी कवि मरहूम शिव कुमार बटालवी की याद में 23 जुलाई को उनके जन्म दिन के मौके पर बटाला में एक कविता मुकाबला भी करवाया जायेगा। इस मुकाबले में प्राइमरी, मिडल, सेकंडरी स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों भाग लेंगे और हरेक वर्ग में पहले 3 स्थान हासिल करने वालों को

नकद इनाम भी दिए जाएंगे। इसके इलावा राज्य में वन के अधीन क्षेत्र बढ़ाने के मद्देनजर राज्य सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी हरियावल संकल्प योजना के अंतर्गत फैसला किया है कि साल 2025- 26 के दौरान हरेक जिले में 3.50 लाख पौधे लगाए जाएंगे। सैक्टर 68 के वन कंपलैक्स में 2025-26 के दौरान पौधे लगाने सम्बन्धी प्रयासों के बारे मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए, वन और वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क को विभाग के सीनियर अधिकारियों ने बताया कि हरेक जिले में वन महोत्सव भी मनाया जायेगा और 2 रुपए प्रति पौधो की नाममात्र कीमत पर लोगों को पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके इलावा, 582.252 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मुआवजा वन योजना के अंतर्गत वृक्ष लगाए जाएंगे और पठानकोट जिले में 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मिट्टी और पानी संरक्षण प्रोजैक्ट भी शुरू किये जाएंगे।

कैबिनेट मंत्री को यह भी बताया गया कि 2025- 26 के दौरान ग्रीन पंजाब मिशन के अंतर्गत स्कूलों, कालेजों, पंजाब मंडी बोर्ड और मार्कफैड में 331 हेक्टेयर क्षेत्र में 3.31 लाख पौधे लगाए जाने हैं। इसके साथ ही श्री गुरु तेग बहादुर पवित्र वन योजना के हिस्से के तौर पर 52 पवित्र वन स्थापित किये जाएंगे। इसके इलावा शैक्षिक संस्थाओं में 289 और औद्योगिक क्षेत्रों में 83 नानक बगीचियां स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि जहाँ तक लिंक सड़कों के साथ पौधे लगाने की बात है, यहाँ पॉपुलर और ड्रेक किस्मों के 2.50 लाख पौधे जबकि फूलदार किस्मों के 3 लाख पौधे लगाए जाएंगे। कैबिनेट मंत्री ने पौधे लगाने की इस मुहिम के लिए तैयार किये गए ब्लूप्रिंट की सराहना करते हुये कहा कि खेती वानिकी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए क्योंकि यह जैविक विभिन्नता को उत्साहित करता है। उन्होंने हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण करने के लिए लोगों को वातावरण संरक्षण के बारे जागरूक करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

इस मौके पर वन विभाग के प्रमुख मुख्य वनपाल (वन बल के प्रमुख) धर्मेंद्र शर्मा, एपीसीसीएफ कम सीईओ पनकैंपा सौरव गुप्ता, एपीसीसीएफ (प्रशासन) बसंत राज कुमार, सीसीएफ (हिल्लज) निधी श्रीवास्तव, सीएफ शिवालिक सर्किल श्री कन्नन मौजूद थे।

पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या, जादू-टोना का शक

(एजेन्सी)।

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले में अंधविश्वास से जुड़ी भीड़ द्वारा की गई हिंसा के एक भयावह मामले में एक ही परिवार के पांच सदस्यों को जादू-टोना के आरोप में कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला गया। यह घटना मुफस्सिल पुलिस थाने के अंतर्गत राजीगंज पंचायत के टेटगामा गांव में हुई।

पीड़ितों की पहचान बाबूलाल उरांव, उनकी पत्नी सीता देवी, उनकी मां काटो मसोमात, उनके बेटे मंजीत उरांव और बहू रानी देवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों को पहले पीट-पीटकर मार डाला गया और फिर 250 से ज्यादा ग्रामीणों की भीड़ ने उन पर जादू-टोना करने का आरोप लगाकर उनके शवों को पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

इसके बाद उनके शवों को छिपा दिया गया और अवशेषों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों को पहले पीट-पीटकर मार डाला गया और फिर 250 से ज्यादा ग्रामीणों की भीड़ ने उन पर जादू-टोना करने का आरोप लगाकर उनके शवों को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसके बाद उनके शवों को छिपा दिया गया और अवशेषों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अतिरिक्त एसपी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कई थानों की टीमों के साथ भीषण घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के लिए फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी तैनात किया गया है।

पूछताछ के लिए दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें एक स्थानीय तांत्रिक (जादूगर) नकुल उरांव भी शामिल है। पुलिस को संदेह है कि हत्याएं तांत्रिक द्वारा प्रचारित अंधविश्वासों के कारण हुई हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोगों को जिंदा जलाकर मार दिया।

सम्पादकीय

नोटबंदी से वोटबंदी तक

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षण के लिए स्वीकार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय के तत्काल जरूरी होने को पहचानते हुए, इस पर विचार के लिए तीन दिन बाद, बृहस्पतिवार 10 जुलाई की तारीख तय की है। इस संबंध में संबंधित पक्षों के लिए नोटिस जारी कर दिए गए हैं। बिहार में विधानसभाई चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की इस प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में छः याचिकाएं पहुंची थीं। इनमें, विशेष रूप से चुनाव सुधारों से संबंधित पहलुओं पर काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) तथा जनाधिकार संगठन पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) के अलावा तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सांसद, मनोज कुमार झा की याचिकाएं शामिल हैं। सभी याचिकाओं का मुख्य मुद्दा एक ही है, विधानसभाई चुनाव से पहले इतने कम समय में की जा रही मतदाता सूचियों में भारी फेर-बदल की यह पूरी कसरत, खासतौर पर करोड़ों की संख्या में वंचितों तथा कमजोर व हाशिए के तबके के लोगों से मताधिकार छीनने का ही काम करेगी। इसलिए, इस प्रक्रिया पर ही रोक लगाने की प्रार्थना की गयी है। कहने की जरूरत नहीं है कि अब सभी निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हुई हैं। लेकिन, 25 जून को मतदाता सूची पुनरीक्षण की इस प्रक्रिया के शुरू होने से अब तक इस मामले भारतीय चुनाव आयोग या ईसीआई का जो आचरण रहा है, मोदी राज के ग्यारह साल में मजबूती से कायम कर दी गयी शासकीय संस्कृति को ही प्रतिबिंबित करता है। इस शासकीय संस्कृति के तीन खास तत्व हैं। पहला, नाटकीय तरीके से बड़े लगने वाले और आम जनता के लिए कड़े साबित होने जा रहे, कथित रूप से 'साहसिक' फैसले लेना। इन कदमों की साहसिकता का एक ही सबूत होता है, जनता की तकलीफों की और इन तकलीफों को स्वर देने वाले राजनीतिक विपक्ष के विरोध की परवाह ही नहीं करते हुए, आगे बढ़ते जाना। दूसरा, जनता की मुश्किलों के रूप में इन निर्णयों के दुष्परिणामों के सामने आने पर, लीपा-पोती करने से लेकर, पांव पीछे खींचने तक की कोशिशें करना। और तीसरा, यह सब करते हुए भी इसका शासकीय अहंकार दिखाना कि शासन का फैसला पूरी तरह से सही था और उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है! नोटबंदी के मामले में ये तीनों विशेषताएं खुलकर सामने आयी थीं। शहरबंदी या लॉकडाउन में भी ये तीनों ही विशेषताएं देखने को मिली थीं। और अब इस मतदाता सूची पुनरीक्षण में, जिसे उचित ही बिहार के महागठबंध के झंडे तले संगठित विपक्ष ने 'वोटबंदी' का नाम दिया है, इस छोटी सी अवधि में ही इन तीनों विशेषताओं के दर्शन हो चुके हैं। नोट करने वाली बात यह है कि चुनाव आयोग, एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, इसके बावजूद हम उसे खास मोदीराज की राजनीतिक संस्कृति में रंगा हुआ देख रहे हैं। जहां तक कथित रूप से 'साहसिक' निर्णय का सवाल है, चुनाव से ऐन पहले और वह भी कुल तीन महीने से भी कम समय में, आठ करोड़ के लगभग मतदाताओं की सूचियां एक तरह से नये सिरे से बनाना, अगर इतना खतरनाक नहीं होता तो बेशक साहसिक तो माना ही जा सकता था। अब यह सभी जान चुके हैं कि बिहार में मतदाता सूचियों में इस तरह का गहन पुनरीक्षण, 2003 में हुआ था। उसके 22 साल बाद, इस गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को नये सिरे से दोहराए जाने की, एक 'बड़ा काम' कर के दिखाने की ललक के सिवा और क्या आवश्यकता थी, इसका चुनाव आयोग की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया है। बेशक, इस निर्णय से पहले चुनाव प्रक्रिया के मुख्य हितधारकों के रूप में राजनीतिक पार्टियों के साथ किसी तरह के परामर्श में तो नहीं, बहरहाल आलोचना के तीखे होते स्वरों के सामने चुनाव आयोग ने इस कसरत को जरूरी साबित करने की कोशिश की है। लेकिन, चुनाव आयोग द्वारा दी गयी दलीलें इतनी लचर हैं कि खुद चुनाव आयोग के अधिकारीगण जहां-तहां मैदानी स्तर पर इस फैसले की जरूरत बताते हुए, अक्सर 'पहले नागरिकता तय करने' की दलील में खिसक जाते हैं, जो कि जाहिर है कि चुनाव आयोग का काम नहीं है और जिससे चुनाव आयोग अगर सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने फैसले का बचाव करते हुए, अपना दामन ही नहीं छुड़ा ले तो ही आश्चर्य की बात होगी। एक और प्रमुख कारण, जिसका जिक्र चुनाव आयोग के मुंह से निकल गया है, हालांकि इसे भी आयोग द्वारा अब ढांपने की कोशिश की जाएगी, बिहार से रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले मेहनतकशों की संख्या करोड़ों में होना है। इन मेहनतकशों का मकान ही बिहार में नहीं होता है, बिहार से, उसकी नियति से उनका जीवंत रिश्ता रहता है, जबकि दूसरे राज्यों के जीवन से, जहां वे रोजी-रोटी के लिए रहते हैं, वे वैसा आवयविक रिश्ता नहीं बना पाते हैं। सामान्य रूप से अपने गृह राज्य में नहीं रहने के आधार पर, उन्हें बिहार के मतदाता की हैसियत से बेदखल करने की आयोग की नीयत, कानून के सामने एक मिनट भी नहीं टिक पाएगी।

जयंती

ज्योति बसु

जन्म-8 जुलाई, 1914 कलकत्ता; मृत्यु-17 जनवरी, 2010 कोलकाता) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के अग्रणी नेताओं में से एक थे, जिन्होंने पश्चिम बंगाल में 23 वर्ष तक लगातार मुख्यमंत्री रहकर संसदीय राजनीति में विशेष ख्याति पायी। भारत में कम्युनिस्ट राजनीति को स्थापित करने वालों में से बसु एक रहे।

पुण्यतिथि

चन्द्रशेखर

जन्म-1 जुलाई, 1927, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-8 जुलाई, 2007) भारत के आठवें प्रधानमंत्री थे। उन्हें युवा तुर्क का सम्बोधन उनकी निष्पक्षता के कारण प्राप्त हुआ था। वह मेधा प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। ऐसे बहुत ही कम लोग होते हैं, जिन्हें विधाता कई योग्यता देकर पृथ्वी पर भेजता है और चंद्रशेखर का शुमार उन्हीं व्यक्तियों में करना चाहिए। विश्वनाथ प्रताप सिंह के बाद चंद्रशेखर ने ही प्रधानमंत्री का पदभार सम्भाला। वह आचार्य नरेंद्र देव के काफी समीप माने जाते थे। उनके व्यक्तित्व एवं चरित्र से इन्होंने बहुत कुछ आत्मसात किया था। एक सांसद के रूप में चंद्रशेखर का वक्तव्य पक्ष और विपक्ष दोनों बेहद ध्यान से सुनते थे। इनके लिए प्रचलित था कि यह राजनीति के लिए नहीं बल्कि देश की उन्नति की राजनीति हेतु कार्य करने में विश्वास रखते हैं। चंद्रशेखर आत्मा की आवाज पर प्रशंसा और आलोचना करते थे। तब यह नहीं देखते थे कि वह ऐसा पक्ष के प्रति कर रहे हैं अथवा विपक्ष के प्रति। लेकिन देश को इस सुयोग्य व्यक्ति से अधिकाधिक उम्मीदें थीं, जो निश्चय ही राजनीतिक व्यवस्था के कारण प्राप्त नहीं की जा सकीं।

कल मिलेंगे

पति-क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है?
पत्नी-दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं...
जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

न्यायालय में निर्णायक मोड़ लेता श्रीकृष्ण जन्मभूमि मसला

-ललित गर्ग

> जन्मभूमि पक्ष के याचिकाकताओं का यह दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित है, अतः जन्मभूमि पक्ष को भूमि पर कब्जा दिया जाए। मस्जिद के ढांचे को हटाया जाए, मूल मंदिर का निर्माण हो, वहां मुस्लिम मजहबी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। इन्हीं मांगों के साथ जन्मभूमि पक्ष की ओर से करीब 18 मुकदमे दायर हैं। इनकी सुनवाई यथावत जारी रहेगी

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर में स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचनाघोषित करने की हिंदू पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में अदालती रिकॉर्ड और आगे की सभी कार्यवाहियों में मस्जिद को आधिकारिक रूप से विवादित स्थल के रूप में दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने मौखिक रूप से याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस संबंध में हिंदू पक्ष द्वारा दायर आवेदन को ह्लइस चरण मेंह्व खारिज किया जा रहा है। इस फैसले को लंबे समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई में मुस्लिम पक्षकार भले ही राहतकारी माने, लेकिन न्यायिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक अस्मिता के संघर्ष में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह भूमि विवाद पर जो भी फैसला अंतिम रूप से आएगा, वह बहुत प्रभावी होगा, न्यायसंगत होगा। अतः ऐसे किसी पुख्ता फैसले तक पहुंचते हुए पूरी सावधानी एवं धैर्य से आगे बढ़ना चाहिए। इस फैसले से इस विवाद में एक नया रुख सामने आया है, जो महत्वपूर्ण और विचारणीय है।

याचिका में यह मांग की शाही ईदगाह मस्जिदशब्द की जगह विवादित ढांचाशब्द का इस्तेमाल किया जाए, अगर यह शाब्दिक बदलाव किया जाता, तो एक तरह से यह इस विवाद पर निर्णायक फैसले जैसा होता। जिससे अनावश्यक विवाद या अड़चन की संभावनाएं पनपती। यह विवाद राजनीति मोड़ भी ले सकता था, निश्चित ही अगर राजनीति होगी, तो अंतिम फैसले में अनावश्यक रूप से समय लगेगा। साथ ही, अशांति की आशंका भी बढ़ेगी। इसलिये अदालत के फैसले को सकारात्मक नजरिये से देखा जाना चाहिए। नए नामकरण की यह कोशिश उच्च न्यायालय में अगर नाकाम हुई है, तो कोई अचरज नहीं, ना ही किसी पक्ष की जीत और किसी पक्ष की हार है। इतने संवेदनशील मसले में यह नामकरण पूरे मुकदमे को प्रभावित करता, अतः अदालत ने समझदारीपूर्ण सही फैसला किया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि का स्थान न केवल करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि भारतीय संस्कृति और इतिहास का अमिट प्रतीक भी है। परंतु, इसी पवित्र स्थल पर स्थित शाही ईदगाह मस्जिद के साथ एक लंबे समय से विवाद चला आ रहा है जो अब न्यायालय की चौखट पर निर्णायक मोड़ लेता दिखाई दे रहा है।

जन्मभूमि पक्ष के याचिकाकताओं का यह दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित है, अतः जन्मभूमि पक्ष को भूमि पर कब्जा दिया जाए। मस्जिद के ढांचे को हटाया जाए, मूल मंदिर का निर्माण हो, वहां मुस्लिम मजहबी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। इन्हीं मांगों के साथ जन्मभूमि पक्ष की ओर से करीब 18 मुकदमे दायर हैं। इनकी सुनवाई यथावत जारी रहेगी। नामकरण संबंधी आवेदन के खारिज होने का कोई असर मूल मुकदमों पर नहीं पड़ेगा। अब दोनों ही पक्षों को पूरे संयम का परिचय देना चाहिए। अदालत का ताजा रुख न किसी के लिए बड़ी हार है और न किसी के लिए बड़ी जीत। महत्वपूर्ण बात यह है कि जन्मभूमि के पक्ष में दायर याचिकाओं को अदालत ने सुनने लायक माना है। पहले इन याचिकाओं को ईदगाह पक्ष ने चुनौती दी थी, पर अदालत ने चुनौतियों को खारिज कर दिया था। पिछले वर्ष 1 अगस्त को उच्च न्यायालय ने वक्फ अधिनियम, पूजा स्थल अधिनियम, 1991 और अन्य कानूनों के आधार पर ईदगाह पक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए जन्मभूमि पक्ष द्वारा दायर याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना था। अब जब सुनवाई आगे बढ़ गई है, तब ऐसी सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुस्लिम कब्जे से मुक्त हो और वहां मन्दिर के निर्माण का स्वप्न आकार ले।

हिंदू याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि मस्जिद की दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं के प्रतीक और रूपांकन अभी भी दिखाई देते हैं। उन्होंने आगे तर्क दिया कि केवल अवैध रूप से भूमि पर कब्जा करने से स्वामित्व स्थापित नहीं होता है और उन्होंने अयोध्या विवाद के साथ समानताएं बताईं। अब जब नामकरण या नाम परिवर्तन की कोशिशों पर अदालत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है, तब जन्मभूमि पक्ष को छोटे-छोटे फैसले कराने की कोशिश करने के बजाय बड़े फैसले तक पहुंचने की तैयारी एवं जल्दी दिखानी चाहिए, यह विवाद जितनी जल्दी सुलझ जाए, उतना अच्छा है। श्रीराम मन्दिर-अयोध्या की तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराकर वहां भव्य मन्दिर निर्माण की ओर सारा ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। देर भले ही लगे लेकिन अदालत का फैसला श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्ष में आना है, क्योंकि इस विवाद में जन्मभूमि पक्ष में पर्याप्त दस्तावेज या सुबूत मौजूद हैं, जिनका अदालत में परीक्षण होना है। निस्संदेह, पूरे परीक्षण और विचार के बाद ही कोई फैसला आएगा। लेकिन इस फैसले की दिशाएं मथुरा को पुराणों, महाकाव्यों और ऐतिहासिक अभिलेखों में भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली के रूप में वर्णित उद्धरणों एवं साक्ष्यों से स्पष्ट है। 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बने मंदिर को ध्वस्त करके वहां शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया गया। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के अनुसार, यह मस्जिद मंदिर को ध्वस्त करने उसके अवशेषों पर ही बनाई गई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के साथ दस बिंदुओं पर बिना किसी अधिकार के समझौता किया था। 13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है। जब भूमि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ के नाम पर थी ही नहीं तो उसके द्वारा समझौता कैसे किया जा सकता है? 2020 में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति याचिका के माध्यम से फिर से यह मुद्दा न्यायालय में आया। याचिका में यह दावा किया गया कि 13.37 एकड़ भूमि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली है और वहां मौजूद ईदगाह मस्जिद अवैध है। साथ ही, 1951 का समझौता भी अवैध, असंवैधानिक और शून्य घोषित किए जाने की मांग की गई। 2023 से इलाहाबाद उच्च न्यायालय और मथुरा की जिला अदालतों ने इस मामले को गंभीरता से लेना शुरू किया। अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को भूमि की वैज्ञानिक जांच की अनुमति दी, जैसा श्रीरामजन्मभूमि मामले में हुआ था। अदालत ने 1951 के समझौते की वैधता पर सवाल उठाए हैं क्योंकि कटरा केशवदेव ट्रस्ट को जन्मभूमि का संप्रभु प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता था। जन्मभूमि पक्ष की याचिकाओं को प्रारंभिक दौर में ही खारिज करने से इनकार किया गया और मुकदमे की सुनवाई की अनुमति दी गई। करोड़ों हिंदुओं की आस्था एवं ऐतिहासिकता है कि वर्तमान ईदगाह मस्जिद के नीचे श्रीकृष्ण का वास्तविक जन्मस्थान है। पुरातात्विक साक्ष्य भी मंदिर के अवशेषों की पुष्टि करते हैं। औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनवाने का स्पष्ट उल्लेख फारसी शिलालेखों व इतिहासकारों की रचनाओं में भी मिलता है। पूजा स्थल अधिनियम-1991 का कानून 15 अगस्त 1947 की स्थिति को बनाए रखने की बात करता है, परंतु श्रीकृष्ण जन्मभूमि एक जीवित और सतत पूजा स्थल है, और इसमें अपवाद की आवश्यकता है जैसा अयोध्या मामले में देखा गया। यह विवाद केवल एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक न्याय की मांग भी है। यह मसला न्यायपालिका से निष्पक्ष न्याय की अपेक्षा इसलिये भी करता है कि यह अधिसंख्य जनभावनाओं, ऐतिहासिक तथ्यों और धार्मिक अस्मिता से जुड़ा हुआ है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद अब केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि न्याय और आस्था के संतुलन की कसौटी बन चुका है। जैसे अयोध्या में शताब्दियों के संघर्ष के बाद न्याय की विजय हुई, वैसे ही मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि को भी न्याय की प्रतीक्षा है। न्यायालय का नया दृष्टिकोण एक आशा की किरण बनकर उभरा है, जो भविष्य में ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आत्मविश्वास, संतुलन और संवाद से मोदी ने ब्रिक्स को बनाया विकासशील देशों की आशा का मंच

-नीरज कुमार दुबे

> देखा जाये तो ब्रिक्स शिखर बैठक 2025 ने यह सिद्ध किया कि यह मंच अब केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक और व्यावहारिक महत्व का बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पष्ट, दूरदर्शी और समावेशी विचारों ने भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को उजागर किया। आने वाले वर्षों में ब्रिक्स भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर और अंतरराष्ट्रीय नीति निमार्ता के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनता रहेगा

2025 की ब्रिक्स शिखर बैठक ने एक बार फिर यह साबित किया है कि यह समूह न केवल वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में संतुलन लाने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन और भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की स्थायी भूमिका को रेखांकित किया है। इस बैठक में जहां एक ओर भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर चीन, रूस और ब्राजील जैसे अहम सहयोगियों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने की पहल भी की।

ब्रिक्स बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की बात करें तो आपको बता दें कि उनका आत्मविश्वास, संतुलन और संवाद देखने लायक था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक में तीन स्तरों पर भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया।

1. ग्लोबल साउथ का नेतृत्व-विकासशील देशों की समस्याओं और आकांक्षाओं को केंद्र में रखते हुए भारत ने 'Global South Voice' बनने की भूमिका निभाई।

2. संवाद के माध्यम से मतभेदों का समाधान-बिना टकराव के, संवाद और संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत ने चीन और रूस दोनों के साथ अपने हितों को स्पष्ट रूप से रखा।

3. सतत विकास और समावेशी वैश्वीकरण-डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, हरित ऊर्जा, और खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों पर भारत ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण साझा किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स को केवल एक आर्थिक मंच नहीं, बल्कि एक रणनीतिक, वैचारिक और नैतिक मंच बना दिया है जो पश्चिमी प्रभुत्व के विकल्प के रूप में उभर रहा है। यह स्पष्ट हो रहा है कि भारत अब केवल भागीदार नहीं, बल्कि नीति-निमार्ता और संतुलनकर्ता की भूमिका निभा रहा है-वह भी आत्मविश्वास, गरिमा और स्थिरता के साथ। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल की सराहना करते हुए ब्रिक्स देशों को इस अनुभव से सीख लेने की सलाह दी और आत्मनिर्भर भारत की नीति को वैश्विक आत्मनिर्भरता की अवधारणा से जोड़ा और कहा कि एक-दूसरे पर निर्भर होकर भी आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सकते हैं।

देखा जाये तो ब्रिक्स शिखर बैठक 2025 ने यह सिद्ध किया कि यह मंच अब केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक और व्यावहारिक महत्व का बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पष्ट, दूरदर्शी और समावेशी विचारों ने भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को उजागर किया। आने वाले वर्षों में ब्रिक्स भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर और अंतरराष्ट्रीय नीति निमार्ता के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनता रहेगा। इसके अलावा, ब्रिक्स समूह की ओर से पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करना और आतंकवाद को "कतई बर्दाश्त न करने" का दृष्टिकोण अपनाना तथा इससे मुकाबला करने में दोहरे मापदंड त्यागने के भारत के रुख को दोहराना, भारतीय विदेश नीति की एक बड़ी जीत है। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिका में हुई क्वॉड की बैठक में भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गयी थी। क्वॉड सदस्य देशों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जबरदस्त विरोध करते हुए जो संयुक्त बयान जारी किया था उसका एक एक शब्द दर्शा रहा था कि भारत की बुलंद आवाज का विश्व भर में कितना असर हुआ है।

उधर, ब्रिक्स बैठक 2025 के प्रमुख निष्कर्षों पर गौर करें तो आपको बता दें कि इस वर्ष की बैठक में जो बड़े निर्णय हुए उसके तहत सदस्यों देशों ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को संतुलित करने के लिए वैकल्पिक करेंसी सिस्टम विकसित करने पर चर्चा की। साथ ही कई नए विकासशील देशों को "ब्रिक्स+" के तौर पर जोड़ने की दिशा में सहमति बनी, जिससे समूह का वैश्विक प्रभाव और व्यापक होगा। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और IMF जैसे संस्थानों में विकासशील देशों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही सतत विकास, हरित ऊर्जा और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में सहयोग को बढ़ाने का निर्णय हुआ। इसके अलावा, ग्लोबल साउथ में आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और संघर्ष समाधान पर संयुक्त दृष्टिकोण अपनाने का संकल्प लिया गया। भारत की दृष्टि से ब्रिक्स के महत्व की बात करें तो आपको बता दें कि ब्रिक्स भारत को पश्चिमी दबावों से स्वतंत्र होकर अपनी विदेश नीति निर्धारित करने की स्वतंत्रता देता है। रूस और चीन जैसे पड़ोसी राष्ट्रों के साथ मंच साझा कर भारत अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करता है।

इसके अलावा, भारत ब्रिक्स के माध्यम से वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करता है, जिससे उसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक और आर्थिक प्रभाव बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, ब्रिक्स न्यू डेवलपमेंट बैंक के माध्यम से भारत को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वैकल्पिक वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जो IMF/World Bank जैसे पश्चिमी संस्थानों पर निर्भरता को कम करती है। इसके अलावा, भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को ब्रिक्स देशों का सहयोग मिलने से वैश्विक स्तर पर स्वीकृति और समर्थन मिलता है।

ब्रिक्स सदस्यों के साथ भारत के संबंधों की बात करें तो आपको बता दें कि इस मंच पर भारत और चीन का आमना-सामना उस समय हुआ जब सीमा विवादों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में तनाव बना हुआ है। देखा जाये तो भारत-चीन संबंधों में ब्रिक्स एक रणनीतिक 'dialogue buffer' की भूमिका निभा रहा है-जहां सहयोग की संभावना है, लेकिन सतर्कता भी आवश्यक है। इसके अलावा, ब्रिक्स के मंच पर भारत और रूस के संबंधों में गर्मजोशी साफ दिखी। यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी को बनाए रखा है। भारत ने रूस से तेल आयात, रक्षा आपूर्ति और परमाणु ऊर्जा सहयोग को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई है। साथ ही भारत ने ब्रिक्स मंच से कोई पक्ष नहीं लिया, बल्कि रूस के साथ संबंधों को रणनीतिक संतुलन के रूप में प्रस्तुत किया। देखा जाये तो भारत-रूस संबंध ब्रिक्स के भीतर भारत की 'नॉन-वेस्टर्न मैत्री नीति' का आधार स्तंभ बने हुए हैं।

जहां तक ब्राजील के साथ संबंधों की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और ब्राजील, दोनों ग्लोबल साउथ के अगुवा हैं। ब्रिक्स बैठक में इन दोनों देशों की सहभागिता विशेष रूप से कृषि, जलवायु और डिजिटल समावेशन के क्षेत्र में मजबूत हुई। इसके अलावा, ब्राजील के पास जैव ईंधन की प्रचुरता है और भारत हरित ऊर्जा में अग्रणी बनना चाहता है-यह साझा लक्ष्य स्पष्ट रूप से उभर कर आया। साथ ही भारत ने ब्राजील के साथ खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर बल दिया। इसके अलावा, दोनों देशों ने वैश्विक संस्थानों में सुधार और ग्लोबल साउथ की भूमिका बढ़ाने पर सहमति जताई।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

इजरायल का यमन पर विध्वंसक हमला, मुस्लिम देशों में मचा हड़कंप!

(एजेन्सी)।

इजरायल। अपने हर दुश्मनों को करारी चोट देने के इरादे से इजरायल हमेशा तत्पर रहता है। ईरान के साथ युद्ध विराम के बाद अब इजरायल ने ईरान समर्थित यमन के हूती के विद्रोहियों के ठिकानों को तबाह किया। इजरायल ने ईरान का साथ देने वाले हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए कई बंदरगाहों और कई प्रमुख जगहों पर मिसाइलें दागी है। इजरायल पर हूती विद्रोहियों के हमले के बाद ये इजरायल की तरफ से जवाबी कार्रवाई थी। जिसमें आईडीएफ ने हूती ठिकानों को निशाना बनाया और लगातार हवाई हमले किए। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेदा, रास ईसा और सालिफ बंदरगाहों के साथ-साथ रास कनातिब ऊर्जा संयंत्र पर हमले किए। उसने कहा कि इन बंदरगाहों का इस्तेमाल हूतियों द्वारा ईरान की सरकार से हथियार लाने के लिए किया जाता है। ये हथियार फिर इजराइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकवादी हमलों में इस्तेमाल किए जाते हैं। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने गैलेक्सी लीडर जहाज पर भी हमला किया। यह वाहन ले जाने वाला एक जहाज है। इस पर हूतियों ने नवंबर 2023 में उस समय कब्जा कर लिया था जब उसने इजराइल-हमास संघर्ष के विरोध में लाल सागर गलियारे में हमले शुरू किए थे। इजराइल की सेना ने कहा कि हूती विद्रोहियों ने जहाज पर एक रडार प्रणाली लगाई थी और वे इसका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जहाजों का पता लगाने के लिए कर रहे हैं ताकि आगे की आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके। बहामास के ध्वज वाला जहाज गैलेक्सी लीडर एक इजराइली अरबपति से संबंधित था। इजराइली सेना ने कहा कि जहाज पर कोई इजराइली मौजूद नहीं था। हूती विद्रोहियों ने इन हमलों की पुष्टि की लेकिन उसने हमले में हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया कि उनकी वायु रक्षा सेना ने इजराइल के हमले का प्रभावी तरीके से सामना किया लेकिन उन्होंने इसके समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं दिया। हूतियों ने जवाब में इजराइल पर मिसाइल हमला किया।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीत का पताका फहराएंगी मनु भाकर!

(एजेन्सी)।

पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली मनु भाकर को कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय निशानेबाजी टीम में जगह मिली है। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए सोमवार को 35 सदस्यीय टीम घोषित की गई है। मनु इसमें शामिल एकमात्र ऐसी निशानेबाज हैं जो दो व्यक्तिगत स्पर्धा में हिस्सा लेंगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं, जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी। एआरएआई ने चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। ये प्रतियोगिता सात से 15 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 सदस्य हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पधाओं में भाग लेंगे।

मनु महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। सीनयिर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत को निंगबो जाने वाली टीम में जगह मिली है।

गुरु दत्त की विरासत कोई शैली नहीं, जिसकी आप नकल कर सके-महेश भट्ट

(एजेन्सी)।

फिल्मकार महेश भट्ट ने फिल्म निर्देशक दिवंगत गुरु दत्त के बारे में कहा कि उनकी विरासत पुरस्कारों की नहीं है और उन्होंने जीवन की व्यथा को ऐसी कविता में बदल दिया जो खामोशी को भी चीर दे। भारतीय सिनेमा के महान फिल्मकारों में गिने जाने वाले गुरु दत्त ने प्यासा, कागज के फूल और साहिब बीबी और गुलाम जैसी कालजयी फिल्में बनाई थीं। नौ जुलाई को उनकी 100वीं जयंती है। 1964 में मात्र 39 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था। ऐसा माना जाता है कि नींद की गोलियों और शराब पीने के कारण उनका निधन हो गया था।

महेश भट्ट ने पीटीआई-भाषा से कहा, उन्होंने जीवन की व्यथा को कविता में बदल दिया, ऐसी कविता जो खामोशी को भी चीर दे। जो उनके बाद आए, वे उस घाव को साथ लेकर चले। हम गुरु दत्त के सौ वर्ष पूरे होने का जश्न नहीं मनाते। हम उनकी विरासत की ओर लौटते हैं। भट्ट ने याद किया कि जब उन्होंने पहली बार राज खोसला के दफ्तर में गुरु दत्त की एक बड़ी तस्वीर देखी, तो वह मंत्रमुग्ध हो गए थे।

फिल्मकार ने कहा, गुरु दत्त की विरासत पुरस्कारों, पोस्टर या रील से नहीं बनी है। वह खामोशी से बनी है। ऐसी खामोशी जो जब कमरे में प्रवेश करती है और स्क्रीन के काले होने पर (पिक्चर खत्म होने पर), वहीं ठहर जाती है। वह हमारे व्यास (महाभारत लिखने वाले ऋषि) थे। उन्होंने कहा, गुरु दत्त ने अपनी निजी वेदना को काव्यात्मक आकार दिया। उन्होंने अपने पात्रों को करुणा और अंतर्विरोध से रोशन किया। उन्होंने अपने भीतर के कवि को उग्र होने दिया। उन्होंने स्त्रियों के हृदय को छूआ। उन्होंने सुंदरता को सच्चाई में ढलने दिया। कागज के फूल का वह अमर गीत वक्त ने किया, एक धड़कता हुआ घाव है। उनकी विरासत कोई शैली नहीं है जिसकी नकल की जा सके। यह एक ऐसा घाव है जिसे बस सहन करना पड़ता है। भट्ट ने कहा कि जब वह अपनी 1982 की चर्चित फिल्म अर्थ पर काम कर रहे थे, तब कवि-गीतकार कैफी आजमी ने यह टिप्पणी की थी कि उन्होंने खोसला के शागिर्द होने के नाते गुरु दत्त का दर्द विरासत में पाया है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में गिरावट

(एजेन्सी)।

एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर चिंताओं के बीच शुरूआती कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। भारत समेत कई देशों पर लगाए गए अमेरिकी शुल्क की 90 दिन की निलंबन अवधि नौ जुलाई को समाप्त हो रही है। अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सामानों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।

बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 170.66 अंक की गिरावट के साथ 83,262.23 अंक जबकि एनएसई निफ्टी 53.75 अंक फिसलकर 25,407.25 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक और सन फार्मा के शेयर नुकसान में रहे।

ट्रेंट, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयर फायदे में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.87 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 760.11 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

लॉर्ड्स टेस्ट से पहले इंग्लैंड कप्तान बेन स्टोक्स ने मानी हार!

(एजेन्सी)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एजबेस्टन टेस्ट में नहीं खेले लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड को भारतीय टीम ने घुटनों पर ला दिया। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट 336 रनों से जीता। वहीं अब इस करारी हार के बाद इंग्लैंड की टीम में खौफ का माहौल है। बेन स्टोक्स दरअसल, बुमराह की वापसी को लेकर परेशान हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ तैयारी करना ही नामुमकिन है। दरअसल, एजबेस्टन टेस्ट जीतने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि बुमराह 10 जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे स्टोक्स इस बार से ज्यादा खुश नहीं थे कि उन्हें एक बार फिर बुमराह के बारे में सवालों के जवाब देने होंगे। बेन स्टोक्स ने कहा कि, मैंने सोचा था कि मैं बिना जसप्रीत बुमराह के सवाल के प्रेस कॉन्फ्रेंस पूरी कर लूंगा। हम इतनी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं कि हमें पता है कि क्या सामना करना पड़ेगा। हम इसे ट्रेनिंग में भी लागू करते हैं। हम साइड आर्म गेंदबाजी के खिलाफ प्रैक्टिस करते हैं लेकिन वो बुमराह मैच में करते हैं वैसा प्रैक्टिस में कर पाना मुश्किल होता है।

जसप्रीत बुमराह लॉर्ड्स में वापसी करेंगे तो क्या इंग्लैंड की टीम जोफ्रा आर्चर को उतारेगी? इस पर स्टोक्स ने कहा कि वो उनकी हालत देखकर ही कोई फैसला लेंगे। स्टोक्स का मनना है कि एक टीम के तौर पर इंग्लैंड को संतुलित रहना होगा, न तो जीत के बाद बहुत उत्साहित होना चाहिए और न ही हार के बाद बहुत निराश। उन्होंने कहा कि, हमने कुछ बेहतरीन जीत हासिल की हैं और कुछ बुरी हार भी देखी हैं। मुझे लगता है कि मैं और मेरी टीम इन उतार-चढ़ावों में संतुलित रहने में अच्छे हैं।

कांवड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने कछला घाट का किया निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. बृजेश कुमार सिंह तथा अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ सोमवार आगामी श्रावण मास में होने वाली कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत कछला के दोनों घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा, सफाई, यातायात प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कछला पुल और दोनों घाटों पर पहुंचकर स्नान क्षेत्र, जल स्तर, नावों के खड़े होने के स्थान, बेरिकेटिंग व्यवस्था तथा वॉच टावर की स्थिति का गहन अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक टावर पर प्रशिक्षित कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया दी जा सके। नावों के खड़े होने के लिए सुरक्षित और चिन्हित स्थल निर्धारित करने तथा नाव संचालकों को निर्देशित करने के आदेश दिए, जिससे जल परिवहन में भी कोई अव्यवस्था न उत्पन्न हो। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे। घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए समुचित बेरिकेटिंग लगाई जाए, ताकि स्नान क्षेत्र सुरक्षित रूप से चिन्हित रहे और कोई भी श्रद्धालु गहरे पानी में न जाए। डीएम ने घाट पर साफ-सफाई, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, विद्युत आपूर्ति और चिकित्सा व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं, ऐसे में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए और नियमित रूप से घाटों की सफाई कराई जाए।

इसके अतिरिक्त यातायात व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान वाहनों का सुगम संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा रूट डायवर्जन की पूर्व जानकारी दी जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर ली जाएं, जिससे किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 वैभव शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, एसडीएम सदर, अधिशासी अधिकारी कछला सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बरिन्दर कुमार गोयल द्वारा अधिकारियों को जन शिकायतों के तुरंत निपटारे और गैर-कानूनी माइनिंग रोकने के लिए 24 घंटे सक्रिय रहने के निर्देश

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के खनन और भू-विज्ञान मंत्री बरिन्दर कुमार गोयल ने राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अथॉरिटी (एस.ई.आई.ए.ए) के अधिकारियों को कहा कि वह राज्य सरकार की नयी माइनिंग नीति के अंतर्गत माइनिंग क्षेत्र के लिए सुगम की गई प्रक्रिया के मुताबिक पर्यावरण मंजूरी देने का अमल तेज करें।

कैबिनेट मंत्री ने जोर देकर कहा कि जमीन मालिक अब पर्यावरण सम्बन्धी मंजूरियों के लिए सीधे एस.ई.आई.ए.ए को आवेदन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के अधीन यह आवश्यक है कि कम से कम समय में सभी आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर विचार करना यकीनी बनाया जाये।

कैबिनेट मंत्री श्री बरिन्दर कुमार गोयल मैगसीपा में एक अहम वर्कशॉप की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें पर्यावरण सम्बन्धी मंजूरियां प्राप्त करने में विभाग द्वारा पेश अलग-अलग प्रक्रियात्मक रुकावटों के बारे व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान एस.ई.आई.ए.ए मैंबरों को पर्यावरण सम्बन्धी मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में रुकावट डालने वाले अलग-अलग महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे जानकारी दी गई। अथॉरिटी ने इन मुद्दों को गंभीरता से लेते हुये मंजूरी प्रक्रिया को सुचारू बनाने में पूरे सहयोग और इसके जल्द समाधान का भरोसा दिया।

वर्कशॉप में मुख्य भाईवालों ने हिस्सा लिया, जिनमें अतिरिक्त मुख्य सचिव खनन और भू-विज्ञान श्रीमती जसप्रीत तलवार, डायरैक्टर श्री अभिजीत कपलिश सहित जिला माइनिंग अधिकारी, राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अथॉरिटी (एस.ई.आई.ए.ए), पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, कॉर्डिनेटर सैंटर आफ एक्सीलेंस आई.आई.टी रोपड़ और अन्य सम्बन्धित अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पर्यावरण क्लीयरेंस और जिला सर्वेक्षण रिपोर्टों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण मुद्दों को समाधान करने के बारे विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर कार्य-कुशलता को बढ़ाने के लिए कई व्यावहारिक समाधानों की पहचान की गई। एस.ई.आई.ए.ए मैंबरों ने वर्कशॉप के दौरान उठाए गए सभी मुद्दों को बारीकी के साथ नोट किया और आवेदनों की निर्विघ्न प्रक्रिया को यकीनी बनाने के लिए जल्द से जल्द सुधारात्मक उपाय लागू करने का भरोसा दिया।

गैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के विरुद्ध 24 घंटे चौकसी यकीनी बनाने के सख़्त निर्देश देते हुये श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने सभी जिला माइनिंग अधिकारियों और क्षेत्रीय अधिकारियों को सचेत किया कि वे गैर-कानूनी माइनिंग गतिविधियों के विरुद्ध तुरंत कार्यवाही अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों के 24 घंटे निपटारे को यकीनी बनाने के लिए सभी अधिकारियों के मोबाइल फोन दिन-रात चलते रहने चाहिएं।

ड्यूटी में कोताही के लिए राज्य सरकार की जीरो सहनशीलता की नीति संबंधी दोहराते हुये कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यदि किसी भी अधिकारी का मोबाइल फोन बंद पाया गया तो उस पर सख़्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गैर-कानूनी माइनिंग के विरुद्ध लड़ाई के लिए निरंतर चौकसी की जरूरत है और इस उद्देश्य के लिए जन शिकायतों का समय पर निपटारा करना जरूरी है।

कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि माइनिंग सैक्टर में पारदर्शी और जवाबदेह शासन को यकीनी बनाते हुये सभी जन शिकायतों का बिना किसी देरी के स्थापित नियमों के अनुसार तुरंत समाधान किया जाये। इस मौके पर चीफ इंजीनियर (ड्रेनेज और माइनिंग) स. हरदीप सिंह महिन्दीरत्ता और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के जनपद में माह जुलाई 2025 से अनियमित क्षेत्र के उद्योगों का सर्वेक्षण कराया जा रहा है यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), MoSPI भारत सरकार द्वारा निर्धारित पद्धतियों तथा मार्गदर्शन में कराया जा रहा है। ASUSE सर्वेक्षण में भी निर्माण व्यापार तथा सेवा क्षेत्र के अनुच्छेद उद्योगों से महत्वपूर्ण सूचनाओं यथा ग्रास वैल्यू एडेड पर एंटरप्राइज ग्रॉस वैल्यू एडेड पर वर्कर आदि एकत्र की जाएगी। इन सर्वेक्षणों से प्राप्त अनुमानों का प्रयोग जिला घरेलू उत्पाद डीपीपी के तैयार करने में किया जाएगा जो राज्य हेतु नीति निर्माण में अत्यंत उपयोगी होंगे। यह सर्वेक्षण जनपद स्तर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तथा मंडल स्तर पर उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या की देखरेख में कराया जा रहा है।

उक्त सर्वेक्षण हेतु सुपरवाइजर एवं सर्वेक्षणकर्ता का प्रशिक्षण विकास भवन स्थित सरस सभागार में 7 जुलाई 2025 से 9 जुलाई 2025 के बीच आयोजित किया गया है। उक्त प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा पर्यवेक्षक एवं सर्वेक्षणकर्ता को पूरी निष्ठा से कार्य करने की सलाह दी गई। उक्त प्रशिक्षण में प्रभारी उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या श्री संतोष कुमार, मंडलीय अर्थ एवं संख्या अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी प्रतापगढ़ प्रियंका, अर्थ एवं संख्या अधिकारी प्रयागराज नीरज कुमार एवं प्रशिक्षणकर्ता राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय प्रयागराज के वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी मनीष एवं कुलदीप कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार हामिद अली खां राजपूत के जन्मदिन पर हुआ पौधारोपण

संजना भारती संवाददाता

ककराला। कस्बा ककराला में वरिष्ठ पत्रकार हामिद अली खान राजपूत के 63वें जन्मदिन के मौके पर कस्बे के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया। सबसे पहले शाह इब्राहिम बाबा के मजार पर पहुंचकर पौधारोपण किया। फिर चादर पोशी हुई। दरगाह के सज्जादा नशीन सूफी आबिद अली खां ने हिंदुस्तान में अमनो अमान के लिए दुआ की। उसके बाद पुलिस चौकी ककराला पहुंचकर पौधारोपण किया गया। हामिद अली खान राजपूत ने अपने जन्मदिन के मौके पर लोगों से अपील की एक पौधा जरूर लगाए और वातावरण हरा भरा बनाएं और अपने 63 वें जन्मदिन के अवसर पर 63 पौधे लगाने का संकल्प लिया। अलापुर थाना प्रभारी उदयवीर सिंह ने मामू के इस काम को बहुत सराहा और कहा यह बहुत अच्छी पहल है। नगर पालिका परिषद ककराला के अध्यक्ष इंतखाब सकलैनी, और बड़े बाबू शमशाद खान के साथ नगर पालिका में पौधारोपण किया गया। व्यापार मंडल के जिम्मेदारों ने भी मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया। इस मौके पर चौकी इंचार्ज ककराला राजेंद्र सिंह समस्त चौकी स्टाफ वा हाफिज आमिल सकलैनी, सभासद जैनुलाब्दीन लकी, मौलाना अफरोज, मुदस्सिर खान, जीशान अंसारी, अदनान खान, आदि लोग मौजूद रहे।

विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, पारदर्शिता के आधार पर युवाओं को मिल रही है नौकरी: रणबीर गंगवा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का कोई समझौता नही किया जाए, अगर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कमी पाई जाए तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, जनता के हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं, अधिकारियों को चाहिए कि आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का अपने स्तर पर प्राथमिकता से निवारण करें ताकि कष्ट निवारण समिति की बैठक में कम से कम शिकायतें आए।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा सोमवार को स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री ने समिति के एजेंडे में रखे गए 18 मामलों की सुनवाई की जिनमें से 8 मामलों का मौके पर समाधान कर दिया तथा 10 मामलों की पुनः जांच के लिए उच्च अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि इन लंबित 10 मामलों की जांच तय समय सीमा में होनी चाहिए और अगली बैठक में इन मामलों की रिपोर्ट अधिकारी तथ्यों के साथ प्रस्तुत करें। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पारदर्शिता के आधार पर बिना किसी जान पहचान के युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही है, इसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए व्यवस्था परिवर्तन का काम किया जिससे युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची के सरकारी नौकरी मिल रही है उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र से एक रेहड़ी लगाने वाले व्यक्ति के बेटे को सरकारी नौकरी मिली तो वह भाजपा सरकार के कार्यकाल से इतना बेहद खुश नजर आ रहा था कि यह पहली ऐसी सरकार देखी कि गरीब के बच्चे को भी बिना किसी नेता के जान पहचान के सरकारी नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शपथ लेते ही 25 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम किया।

कैबिनट मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा संबंधित विभाग के माध्यम से ड्रेनो की सफाई करवाई जा रही है और सीवरेज तथा नाले साफ करवाए जा रहे है। वर्तमान में प्रदेश सरकार के पास सुपर सक र मशीनों की संख्या बढ़ाने के लिए हाई पॉवर कमेटी के तहत आदेश दिए जा रहे है तथा पर्याप्त मात्रा में पंप सेट और जरनेटर उपलब्ध है। उन्होंने एसवाईएल के मुद्दे के सवाल के जवाब में कहा कि एसवाईएल के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय का फै सला भी हरियाणा के पक्ष में आया है।

दक्षिण हरियाणा में पानी की समस्या है इसलिए पंजाब को माननीय न्यायालय के फैसले के हिसाब से पानी देना चाहिए। उन्हें उम्मीद है कि केंद्र सरकार जल्द ही इस पर बैठक आयोजित कर-के बातचीत करवाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अपराध और अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस विभाग को सख्त निर्देश दिए है कि आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगे तथा किसी प्रकार का कोई अपराध न हो।

सिद्धाश्रम के व्यवस्थापक रविन्द्र ब्रह्मचारी का 67वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया

एसबी ब्यूरो

बीहट/बेगूसराय। सिद्धाश्रम सिमरिया धाम के व्यवस्थापक रविन्द्र ब्रह्मचारी महाराज जी का 67वां जन्मदिवस आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी तिथि सोमवार को सर्वमंगला परिवार द्वारा पूजा अर्चना कर धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सर्वमंगला केन्द्रीय समिति के पदाधिकारियों के द्वारा रविन्द्र ब्रह्मचारी को मिथिला का पारंपरिक पाग, अंग वस्त्र पुष्प गुच्छ भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। जिस प्रकार से अन्य लोगों के अवतरण दिवस पर मोमबत्ती जलाकर उसे बुझाया जाता है वहीं ब्रह्मचारी जी के अवतरण दिवस पर जितना वर्ष के हुये उतना दीपक जलाकर मंच पर रखा जाता है और इसे बुझाया नहीं जाता है।

इस अवसर पर स्वामी चिदात्मन जी महाराज, मीडिया प्रभारी नीलमणि, निपेन्दर सिंह, कौशलेंद्र सिंह, अमरेन्द्र सिंह, नारायण झा, अरविंद चौधरी, रमेश झा, दिनेश झा, श्याम झा, राम झा, कृष्ण झा आदि उपस्थित थे।

सामूहिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा: कृष्ण कुमार बेदी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय,अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने नरवाना के गांव हंसडैहर में जनसभा को संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों से जुड़े कार्यों और हर वर्ग के कल्याण एवं उत्थान की दिशा में क्रियान्वित होने वाली परियोजनाओं के लिए पैसे की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। सामूहिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति बेहिचक अपनी समस्या उनके समक्ष रख सकता है। मंत्री ने कहा कि जनता ने जो उन पर भरोसा जताया है, उस पर वो खरा उतरेंगे। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने नरवाना विधानसभा क्षेत्र के गांव हंसडैहर में धन्यवादी दौरा कार्यक्रम के तहत विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। उन्होंने 15 लाख रुपये की लागत से तैयार ई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया तथा 11 लाख रुपये की धनराशि से बनने वाले बिन्दुसर तीर्थ के लंगर हॉल और 11 लाख रुपये से बनने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले शेड के निर्माण का शिलान्यास किया। साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा रखी गई मांगों को भी जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हर वर्ग के विकास के लिए सरकार काम कर रही है। उन्होंने इस बीच घोषण करते हुए कहा कि गांव में सीवर को गंदे नाले से जोड़ा जाएगा। एक मिनी स्टेडियम और ई लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी। स्कूल में सोलर प्लेट भी लगवाई जाएंगी। रेवर तक जमीन देने की शर्त पर 4 किलोमीटर की सड़क को पक्का कर दिया जाएगा। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि ग्रामीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। चुनाव के दौरान जो जनसमर्थन गांव की जनता ने उन्हें दिया, उसके लिए वे हमेशा ऋणी रहेंगे और उनके विश्वास पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

भारतीय संस्कृति एवं संस्कार में सिंदूर का महत्व पर परिचर्चा आयोजित

एसबी ब्यूरो

बीहट। सिद्धाश्रम सिमरिया धाम के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर स्वामी चिदात्मन जी की पावन उपस्थित में आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय सनातन संस्कृति में सिन्दूर का महत्व के प्रथम दिवस के उद्घाटन सत्र में समारोह में मुख्य अतिथि आरवी कालेज दलसिंहसराय के प्राचार्य डॉ.संजय झा, उद्घाटनकर्ता डॉ.संजीत कुमार झा मिथिला विश्वविद्यालय, डॉ.नागेंद्र शर्मा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, डॉ. अवधेश कुमार झा, तथा रविन्द्र ब्रह्मचारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया इससे पूर्व सर्वमंगला परिवार के द्वारा आगत अतिथि का मिथिला परंपरा के अनुसार अंग वस्त्र पुष्प गुच्छ और पाग भेंट कर सम्मानित किया तत पश्चात शोध छात्र अभिजीत कुमार के द्वारा स्वस्तिवाचन किया गया।

उक्त मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.संजय झा ने कहा कि सांस्कृतिक विकास की धारा में सनातन संस्कृति व संस्कार में सिंदूर का बहुत अधिक महत्व है। अनंत व सीमीत शक्ति को प्रदर्शित करने का तथा चिरंतरता का घोतक है। समारोह में उद्घाटन उद्बोधन देते हुए डॉ. संजीत कुमार झा ने कहा भारतीय संस्कृति एवं संस्कार अनादि एवं सनातन स्वरूप में हमेशा से ही विश्व को मार्ग दर्शन करता रहा है। जिसमे देवी देवताओं के साथ साथ मनुष्य का भी अत्यधिक सम्मान रहा है। उसमें भी नारी एवं नारी के सौभाग्य तत्व सिन्दूर का बहुत बड़ा महत्व है, इसलिए तो कहा गया है शक्ति का बिंब है सिन्दूर, शौर्य का प्रति बिंब है सिन्दूर नारी का सतीत्व है सिन्दूर भारत का अस्तित्व है सिन्दूर, समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. नागेंद्र शर्मा ने कहा कि सिन्दूर शक्ति और संकल्प का प्रतीक है। हमारे संस्कृति का एक विशिष्ट उपलब्धि है।

समारोह में सम्मानित अतिथि डॉ.अवधेश कुमार झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं संस्कार में सिंदूर भगवान गणेश के समान सर्वकल्याणकारी एवं मांगलिक है। जिसका हम सबों का सम्मान करना चाहिए, संगोष्ठी में शोध छात्रा रूबी कुमारी (मगध विश्वविद्यालय) ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा भारतीय संस्कृति अपने आप में अनूठा है सिन्दूर संपूर्णता का प्रतीक है। विद्यापीठ के सचिव दिनेश सिंह, शिक्षा सचिव डॉ. घनश्याम झा, संस्थान के निदेशक डॉ.विजय कुमार झा, सचिव सुधीर चौधरी, मीडिया प्रभारी नीलमणि, सह सचिव प्रो प्रेम झा, उप निदेशक विनय झा, राजीव कुमार, सुशील चौधरी, विजय सिंह, अरविंद चौधरी, गंगा नंद, प्रेम तीर्थ, निपेंद्र सिंह, श्रवण कुमार, गुंजन पांडे, श्याम झा, राम झा, लक्ष्मण झा, पप्पू त्यागी, पप्पू कुमार, अनुपम झा, रजनीश कुमार, महानंद झा, आचार्य नारायण झा, दिनेश झा, राजेश झा, रमेश झा, रंजना कुमारी, आदि मौजूद थे।

तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र को मॉडल विधानसभा बनाएंगे-चंद्रप्रकाश सिंह

एसबी संवाददाता

तेघड़ा (बेगूसराय)। 143 विधानसभा क्षेत्र से समाजसेवी सह एयरफोर्स से अवकाश प्राप्त पदाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ आनंद जी ने लगातार विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न जगहों पर जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। वहीं चाय के दुकानों पर जगह-जगह बैनर पोस्टर लगवाएं हुए हैं। संपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में चंद्रप्रकाश सिंह की लोकप्रियता की चर्चाएं हो रही है। पत्रकारों को श्री सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्रों में विधानसभा क्षेत्र को अव्वल बनाना है। स्थानीय समर्थकों का चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ आनंद जी के प्रति भरपूर स्नेह देखने को मिला। वहीं उन्होंने कहा कि तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र को अव्वल लाने के लिए हम संकल्पित है। वहीं तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र को अव्वल बनाएंगे। वहीं उन्होंने रोजगार सृजन का अभियान चलाकर महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं।

संतों के उच्च विचारों से आडंबरों और जातीय भेदभाव से मिली मुक्तिः योगेंद्र राणा

मां भारती की गोद में समय-समय अवतरित संतों महापुरुषों ने किया मानवीय का प्रसार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। रविवार को क्षेत्र के श्री साहेब प्रेम दास आश्रम मुनक में ब्रह्मलीन श्री सतगुरु साहेब शांति दास जी महाराज की याद में 34वां विशाल सत्संग एवं भंडारा आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता आश्रम के मौजूदा संचालक संत धूनी दास जी महाराज ने की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से असंध के विधायक योगेन्द्र राणा एवं राजपूत धर्मशाला करनाल के अध्यक्ष नपी सिंह राणा ने शिरकत कर आश्रम स्थित श्री गुरु रविदास जी महाराज और सतगुरु साहेब शांति दास जी महाराज के स्वरूप पर सीस नवाया और संतो का आशीर्वाद लिया व प्रसाद ग्रहण किया। सत्संग में पहुंची श्रद्धालुओं की भीड़ संत महापुरुषों की विचारधारा से जुड़ी। इस दौरान सत्संग में महात्माओं द्वारा किए गए संतों महापुरुषों के गुणगान का श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर नाना प्रकार के व्यंजनों से भंडारे का आयोजन किया गया

जिसे एक पंगत में बैठ सभी ने श्रद्धा पूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर असंध विधायक योगेंद्र राणा ने लंगर हाल के लिए 21 लाख रुपए ग्रांट की घोषणा की आश्रम की इस सेवा के लिए संत धूनी दास जी महाराज ने विधायक राणा का आभार प्रकट किया और उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में सतगुरु श्री गुरु रविदास जी महाराज का स्वरूप भेंट किया। विधायक योगेंद्र राणा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में संत महापुरुषों की परंपरा बहुत पुरानी है। मां भारती की गोद में कई महान संतों ने जन्म लिया जिन्होंने समाज को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। जिनमें सतगुरु रविदास जी, साहेब, कबीर दास जी, गुरु नानक देव जी आदि ने अपने उच्च विचारों से आडंबरों और जातीय भेदभाव को मिटाकर भाई चारे का संदेश दिया और जीवों का उद्धार किया है। इन संत महापुरुषों ने समाज को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया और लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, और सामाजिक सुधार की दिशा न केवल आगे बढ़ने की प्रेरणा दी बल्कि लोगों को सत्य, अहिंसा, और करुणा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

इसी उद्देश्य से श्री सतगुरु साहेब शांति दास जी महाराज ने इस आश्रम की स्थापना की और मानव भलाई और संतों महापुरुषों की विचारधारा का प्रचार प्रसार किया। इस अवसर पर संत धनपत दास जी महाराज, संत सुरेंद्र दस जी, ब्लॉक समिति वाइस चेयरमैन अजय कुमार, समाजसेवी प्रवीन राणा मुनक, अनिल चौहान, सरपंच प्रतिनिधि मुनक ओमप्रकाश सहित अक्षय राणा, अमित राणा सालवन, दविंद्र कुमार डांडा आदि उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान की श्रृंखला में गांव माजरा में वृक्षारोपण किया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। ब्रह्मकुमारी आश्रम राजौंद द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान की श्रृंखला में गांव माजरा में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में माताओं बहनों को जागरुक करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन आशा ने बताया कि पौधों में भी प्राण होते है। पृथ्वी पर पेड़-पौधे सबसे पहले अस्तित्व में आए माने जाते हैं, मनुष्य बाद में आये। जीवन में पेड़ पौधों का बहुत महत्व है क्योंकि इनसे हम कई प्रकार की शिक्षायें लेते हैं। पेड़-पौधे मनुष्य से कुछ लेते नहीं बल्कि सदा हमें देते ही रहते है, उनमें दाता पन की भावना है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के बिना जीवन चल नहीं सकता और ऑक्सीजन पेड़ पौधों से हमें मिलता है। प्रकृति में कितनी सुंदरता है। योग के वाइब्रेशन से पौधों में भी विकास होता है। इस अभियान में बहन ने कहा की हमें न सिर्फ. पौधे लगाने है बल्कि अपने स्वभाव संस्कार को बदलकर प्रकृति को भी परिवर्तन करना है। प्रकृति के प्रदूषण

का प्रमुख कारण मानव के मन का प्रदूषण है। भोगवादी प्रवृत्ति ही वास्तव में पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मानव अगर अपने मूल स्वरूप को पहचान सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाए तो प्रकृति हमारी सहयोगी बन जायेगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकताएं तो सभी की पूरी होती हैं। अत्यधिक संग्रह वृत्ति ही प्रकृति के दोहन का मूल कारण है। बहन आशा ने उपस्थित सभी लोगों से पर्यावरण की रक्षा हेतु और ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने की प्रतिज्ञा भी करवाई।

बिजली दरों में बढ़ोतरी को वापस लें सरकारः शेर प्रताप शेरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। प्रदेश सरकार ने बिजली के रेट चार गुना बढ़ाकर आमजन की कमर तोड़ने का काम किया है। इससे किसान व मजदूर वर्ग पर भारी बार पड़ेगा। सरकार ने यदि बढ़ाए गई बिजली की दरें वापस लेकर आमजन को राहत नहीं दी तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने पर मजबूर होगी। उपरोक्त विचार हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी करनाल रोड स्थित कार्यालय में कार्यकताओं की बैठक को सम्बोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे।

शेरी ने कहा कि सरकार ने बीपीएल परिवारों को राशन डिपो पर मिलने वाले सरसों के तेल को चालीस रुपए से बढ़ाकर सौ रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले ही जनता मंहगाई की मार झेल रही है। अब राहत देने की बजाय सरकार उन्हें

परेशान करने के लिए नए-नए तरीके खोज रही है। भाजपा सरकार जनविरोधी फैसले ले रही है। सरकार ने सरसों के तेल दाम बढ़ाए हैं, उनको सरकार तुरंत प्रभाव से वापस ले। शेरी ने कहा कि नगरपालिका असंध में कुर्सी घोटाले की निष्पक्ष जांच की जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार ने कहा था कि बिजली चोरी खत्म हुई तो बिजली 2 रुपए प्रति यूनिट करेंगें लेकिन बिजली चोरी खत्म तो हुई लेकिन सरकार ने बिजली दरें कम करने की बजाय बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए यह एक और बड़ा बोझ है। इस अवसर पर रमेश कौशिक, महेंद्र कौशिक, सिराजुद्दीन दूपेडी, श्याम पाल रोहिल्ला, जसबीर बाहरी, पंजाब सिंह, हरेंद्र सिंह, दिलबाग सिंह, अनिल पाल, जगदीश, ओमप्रकाश, फुल सिंह, वीरेन्द्र, तेजपाल, सुखबीर, वकील, सुशील, निशाबर सहित अन्य मौजूद रहे।

सुचारू रूप से हुई सैकण्डरी की हिन्दी विषय की परीक्षा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेशभर में संचालित करवाई गई सैकण्डरी की हिन्दी विषय की परीक्षा में कुछ परीक्षा केन्द्रों पर अनुचित साधन प्रयोग के 14 मामले दर्ज किए गए, शेष परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा सुचारू रूप से संचालित हुई। यह जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ० पवन कुमार ने बताया कि उनके उडनदस्ते द्वारा जिला-सिरसा के परीक्षा केन्द्र आर.एस.डी.व.मा.वि., सांगवान चौक डबवाली रोड सिरसा-14(बी-1) के परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया, जहां परीक्षा नकल रहित व सुव्यवस्थित संचालित हो रही थी। उन्होंने बताया कि बोर्ड उपाध्यक्ष श्री सतीश कुमार के उडनदस्ते द्वारा जिला-करनाल के परीक्षा केंद्र रा.व.मा.वि., करनाल-10 का निरीक्षण किया, जहां परीक्षा शान्तिपूर्वक संचालित हो रही थी।

राजौंद राधास्वामी कालोनी वासियों ने गलियां पक्की न करने पर ठेकेदार के विरुद्ध शिकायत प्रदेश सीएम को भेजी

गली निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू होगाः नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नागरिकों ने बताया कि राजौंद के वार्ड नंबर 6, असंध मार्ग, राधा स्वामी कॉलोनी अप्रूवड है। सीवरेज की पाइपलाइन व पीने के पानी की पाइपलाइन कई महीने पहले दब चुकी है। ठेकेदार को वर्क आर्डर हो चुके हैं। उसके बाद भी ठेकेदार गली को पक्का करने का काम शुरू नहीं कर रहा है।

कालोनी वासियों ने बताया कि कच्ची गलियों की शिकायत कई बार नगर पालिका सचिव, सीएम विंडो, उपायुक्त महोदय कैथल, समाधान शिवर व मुख्यमंत्री हरियाणा को दी जा चुकी है। उसके बाद भी ठेकेदार गली को पक्का नहीं कर रहा है। हताश परेशान होकर नागरिकों ने पुनः मुख्यमंत्री महोदय से इस मामले में संज्ञान लेकर गली को पक्का करवाने की प्रार्थना की है। कालोनी वासियों रामकुमार जांगड़ा, वीरभान जांगड़ा, यशपाल फौजी, रमेश कुमार, सुरेश कुमार, बिशन दास, चांदराम, देवी राम शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, करमचंद, जय भगवान, राजबीर, नरेश कुमार, राजू, मुकेश कुमार, नाथू पंडित, सोनी वर्मा सहित अन्य दर्जनों लोगों ने बताया कि वे भाजपा के वोटर हैं। पिछले सभी चुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को वोट दिया है। उसके बाद भी ठेकेदार उनकी गली में काम शुरू न करके कई महीनो से उन्हें परेशान कर रहा है। नागरिकों ने मुख्यमंत्री हरियाणा से गुहार लगाई है कि ठेकेदार को निर्देश देकर उनकी गली को बिना देरी के पक्का करवाया जाए, ताकि बरसात के मौसम में उनके घर के बुजुर्गों, बच्चों, स्त्रियों, व्यवसायियों, दुकानदारों व आम नागरिकों कॉलोनी वासियों को आने जाने में परेशानी ना हो।

कॉलोनी वासियों ने यह भी प्रार्थना की है कि उनकी कालोनी में घरो के ऊपर से हाई वोल्टेज की तारे गुजरती है। जिससे नागरिकों को जान माल का खतरा बना रहता है। उनकी कालोनी से हाई वोल्टेज तारे हटाई जाए। पिछले दिनों बिजली मंत्री अनील विज ने भी सरकारी, विभागिय खर्च पर सभी रिहायशी कॉलोनी से बिजली की तारे हटाने के निर्देश दिए थे। नागरिकों ने सरकार व प्रशासन से उनकी समस्याओं का समाधान करने में सहयोग की मांग की है।

नपा सचिव ने क्या कहाः मामले के बारे में नपा सचिव नरेंद्र शर्मा से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि ठेकेदार को कॉलोनी की गलियों को पक्का करने के निर्देश दे दिए गए हैं। वर्क आर्डर हो चुका है। अब ठेकेदार द्वारा काम में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

कॉलोनी की गलियों को पक्का करने का काम शीघ्र शुरू किया जाएगा। किसी नागरिक को परेशानी नहीं आने दी जाएगी। नगर पालिका प्रशासन नागरिकों की सेवा में तत्पर है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रताप पब्लिक स्कूल में कानूनी सारक्षता शिविर आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रताप पब्लिक स्कूल मे कैंपेन शिक्षा का हक व रोड रूलस, लाइफ टूलस के अंतर्गत कानूनी सारक्षता शिविर का आयोजन किया गया। जहां पहुंचने पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन का स्वागत प्रधानाचार्य डा. पूजा, वाइस प्रेजिडेंट दीपिका भाटिया व सचिव संजय भाटिया द्वारा किया गया। इस दौरान सीजेएम इरम हसन ने प्रताप पब्लिक स्कूल में बच्चों के लिए बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया।

उन्होंने दसवीं व बारहवीं 80 व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र व देकर सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने कैम्पेन रोड रूलस, लाइफ से अवगत करवाया और बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए किया। इस मौका पर सीजेएम ने यातायात नियमों व मुफ्त कानूनी सेवाओं विषय पर क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता विद्यार्थियों को उपहार देकर सम्मान किया गया। इसी कड़ी में कैम्पेन रोड रूलस, लाइफ टूलस के अंतर्गत सेक्टर-6 में पैरा लिगल वालंटियर पूजा व अज्ञा पाल ने इंस्पेक्टर रोशन लाल, सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार व टीम के साथ चालान ड्राइव का आयोजन किया व जनसाधारण को यातायात नियमों का करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने जन साधारण को 12 जुलाई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की जानकारी भी दी और अदालत में लंबित मुकदमों व चालानों का भुगतान नेशनल लोक अदालत के माध्यम से करने बारे जागरूक किया।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने सुनीं जनसमस्याएं, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने सोमवार को चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों लोगों ने मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखीं। आरती सिंह राव ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की बात को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अधिकतर शिकायतें स्वास्थ्य सेवाओं, डॉक्टरों की अनुपस्थिति, दवाओं की आपूर्ति और व्यक्तिगत चिकित्सा सहायता से संबंधित थीं।

मंत्री ने कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी जनहित के कार्यों में लापरवाही नहीं बरतेगा। आरती सिंह राव ने कहा कि जनता की समस्याएं सुनना और उनका त्वरित समाधान करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हम पारदर्शी, उत्तरदायी और जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो अधिकारी या कर्मचारी जनकल्याणकारी योजनाओं में बाधा डालेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जन सुनवाई के बाद मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की तथा जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

समाधान शिविर के माध्यम से पहुंचाया जा रहा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं लाभः डीसी प्रीति

संजना भारती संवाददाता

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। जो पात्र व्यक्ति परिवार पहचान पत्र आदि में त्रुटि होने की वजह से सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए थे, समाधान शिविर के माध्यम से उनकी त्रुटियों को दूर कर उन्हें सरकारी योजनाओं को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है। इसमें सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं और आमजन की शिकायतें सुनकर उनका निवारण करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समाधान शिविर में आने वाले लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुने और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान करें, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने बताया कि इन समाधान शिविरों में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों की मौके पर सुनवाई की जा रही है। आमजन समाधान शिविर का फायदा उठा सकते हैं।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर काम में तेजी लाएं अधिकारी-डीसी प्रीति

'विभागीय तालमेल बनाकर काम पूरा करवाएं'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर काम में तेजी लाते हुए उन्हें तय समय सीमा में पूरा करवाएं। जिस काम के लिए पैसा आबंटित हो जाता है, उस पर तुरंत काम शुरू करवाएं। ताकि समय ज्यादा लगने पर लागत न बढ़े और उसी बजट में काम पूरा जो जाए। आपसी विभागीय तालमेल में कमी है तो संबंधित अधिकारी बैठक करें। यदि फिर भी समाधान नहीं होता है तो उन्हें जानकारी दें। इसके साथ-साथ जो भी काम किया जाए, उसकी एटीआर पोर्टल पर अपडेट करते रहें। गुणवत्ता से किसी भी सूरत में समझौता सहन नहीं होगा। यदि कोई लापरवाही मिलती है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

डीसी प्रीति सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में मुख्यमंत्री द्वारा जिले में की गई घोषणाओं पर हुए काम की समीक्षा कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि सीएम की घोषणाओं पर जो भी

काम हो, उसे पोर्टल पर अपडेट करते रहें। पोर्टल पर कुछ ओर डाटा होगा और धरातल पर यदि स्थिति अलग मिलती है तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की जवाबदेही तय होगी। उन्होंने बैठक में कई विभागों के कार्यों के जमीनी स्तर पर व पोर्टल पर अपडेशन को दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही नोडल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि घोषणाओं पर जिस भी विभाग द्वारा काम किया जा रहा है, उनके साथ तालमेल बनाते हुए कागजों में सही जानकारी अपडेट होती रहे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि नोडल विभाग को कोई भी विभागीय अधिकारी उचित डाटा उपलब्ध नहीं करवाता तो उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने बैठक में न पहुंचने पर एक्सईएन सिंचाई विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

डीसी प्रीति ने कहा कि अधिकारी बैठक में पूरी तैयारी के साथ आएं। मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार जो भी सड़कें बनाई जा रही हैं, उन पर संकेतक बोर्ड सहित सभी सुरक्षा नियमों की पालना सुनिश्चित की जाए। डीसी ने यह भी कहा कि जिला स्तर पर एक दूसरे विभाग द्वारा यदि कोई एनओसी जारी की जानी है तो संबंधित विभाग के अधिकारी के साथ बैठक करें। डीसी ने कहा कि विकास कार्यों के लिए अनुमानित लागत रिपोर्ट समय पर भेजें। ताकि बजट आवंटित होने पर समय पर काम पूरा किया जा सके।

बैठक के दौरान डीसी प्रीति ने विशेष रूप से महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय भवन, लुवास विश्वविद्यालय का रीजनल सेंटर, सिटी स्कवेयर, सड़कें, पूंडरी में सीसीटीवी कैमरे लगाने, पाई गांव में कबड्डी अकादमी आदि पर चर्चा की। उन्होंने पीडब्ल्यूडी, जन स्वास्थ्य, नगर निकाय, खेल विभाग तथा पंचायत विभाग को इन घोषणाओं को जल्द से जल्द पूरा करवाने को लेकर निर्देश दिए।

इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद सुरेश रावीश, डिप्टी सीईओ रितु लाठर, सीएमओ डा. रेणु चावला, पंचायत विभाग के कार्यकारी अभियंता नारायणदत, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता वरुण कंसल व सुरेंद्र सिंह, जन स्वास्थ्य विभाग से कार्यकारी अभियंता विकास बाल्याण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

घरौंडा हलके में जारी विकास कार्यों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने ली अधिकारियों की बैठक

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। घरौंडा हलके में जारी विकास कार्यों को लेकर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने करनाल के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में करनाल के डीसी उत्तम सिंह, सिंचाई विभाग के एसई संजय राहड़, पीडब्ल्यूडी विभाग के एसई अभिषेक मौजूद रहे।

बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने सर्वप्रथम घरौंडा विधानसभा से जुड़े सिंचाई विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से विभाग द्वारा जारी कार्यों की लेटेस्ट रिपोर्ट ली और आवश्यक सुझाव भी दिए। इसके साथ-साथ उन्होंने पीडब्लूडी विभाग द्वारा किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दोनों विभाग गुणवत्तापूर्वक तरीके से हलके में हो रहे विकास कार्यों को संपन्न करें। उन्होंने विकास कार्यों में और तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि जनता से जुड़ी विकासात्मक परियोजनाएं समय पर पूरा हो इसके लिए विभाग गंभीरता से काम करें, ताकि तय समय पर परियोजनाओं का उद्घाटन हो सके।